भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन कब और कहाँ हुए

samanyagyan.com/hindi/gk-indian-national-congress-sessions

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन कब और कहाँ हुए: (Indian National Congress Sessions List in Hindi)

कांग्रेस अधिवेशन भारतीयों के सबसे बड़े राजनीतिक दल '**भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस**' द्वारा समय-समय पर आयोजित किये गए थे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसम्बर, 1885 में की गई थी। इसका पहला अधिवेशन बम्बई (वर्तमान मुम्बई) में 'कलकत्ता हाईकोर्ट' के बैरिस्टर व्योमेशचन्द्र बनर्जी की अध्यक्षता में हुआ था। कहा जाता है कि वाइसरॉय लॉर्ड डफ़रिन (1884-1888) ने कांग्रेस की स्थापना का अप्रत्यक्ष रीति से समर्थन किया था। यह सही है कि एक अवकाश प्राप्त अंग्रेज़ अधिकारी एलन ऑक्टेवियन ह्यूम कांग्रेस का जन्मदाता था और 1912 में उसकी मृत्यु हो जाने पर कांग्रेस ने उसे अपना जन्मदाता और संस्थापक घोषित किया था। गोपालकृष्ण गोखले के अनुसार 1885 में ह्यूम के सिवा और कोई व्यक्ति कांग्रेस की स्थापना नहीं कर सकता था। परंतु वस्तु स्थिति यह प्रतीत होती है कि जैसा कि सी.वाई. चिंतामणि का मत है, राजनीतिक उद्देश्यों से राष्ट्रीय सम्मेलन का विचार कई व्यक्तियों के मन में उठा था और वह 1885 में चरितार्थ हुआ।

अधिवेशन:

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1885 से प्रारम्भ होने वाले और 1947 तक के अधिवेशन इस प्रकार हैं, जिससे उसका राष्ट्रीय एवं अखिल भारतीय रूप प्रकट होता है।

अधिवेशन एवं वर्ष	स्थान	अध्यक्ष एवं (विशेष)
पहला 1885	बंबई	व्योमेशचंद्र बनर्जी (72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया)
दूसरा 1886	कलकत्ता	दादाभाई नरौजी
तीसरा 1887	मद्रास	बदरूद्दीन तैय्यबजी (प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष)
चौथा 1888	इलाहबाद	जॉर्ज यूल (प्रथम अंग्रेज़ अध्यक्ष)
पाँचवां 1889	बंबई	सर विलियम वेडरबर्न
छटा 1890	कलकत्ता	सर फिरोज़शाह मेहता
सातवां 1891	नागपुर	पी. आनंद चर्लु
आठवां 1892	इलाहबाद	व्योमेशचंद्र बनर्जी
नौवा 1893	लाहौर	दादाभाई नरौजी
दसवां 1894	मद्रास	अल्फ्रेड वेब

ग्यारवां 1895	पूना	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
बारहवां 1896	कलकत्ता	रहीमतुल्ला सयानी (पहली बार वंदे मातरम गाया गया)
तेरहवां 1897	अमरावती	सी. शंकरन नायर
चौदहवां 1898	मद्रास	आनंदमोहन दास
पद्रहवां 1899	लखनऊ	रमेशचंद्र दत्त
सोलहवां 1900	लाहौर	एन. जी. चंद्रावरकर
सत्रहवां 1901	कलकत्ता	दिनशा इदुलजी वाचा
अठारहवां 1902	अहमदाबाद	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
उन्नीसवां 1903	मद्रास	लालमोहन घोष
बीसवां 1904	बंबई	सर हेनरी काटन
इक्कीसवां 1905	बनारस	गोपालकृष्ण गोखले
बाइसवां 1906	कलकत्ता	दादाभाई नरौजी (पहली बार स्वराज शब्द का प्रयोग)
तेइसवां 1907	सूरत	डॉ. रासबिहारी घोष (कांग्रेस का प्रथम विभाजन)
चौबीसवां 1908	मद्रास	डॉ. रासबिहारी घोष (कांग्रेस का संविधान निर्माण)
पच्चीसवां 1909	लाहौर	पं. मदनमोहन मालवीय
छब्बीसवां 1910	इलाहबाद	विलियम वेडरबर्न
सत्ताइसवां 1911	कलकत्ता	पं बिशननारायण धर (पहली बार जन गण मन गया गया)
अट्ठाइसवां 1912	बांकीपुर	आर. एन. माधोलकर
उनतीसवां 1913	कराची	नवाब सैयद मो. बहादुर
तीसवां 1914	मद्रास	भूपेन्द्रनाथ बसु
इकतीसवां 1915	बंबई	सर सत्येन्द्र प्रसन्न सिन्हा (लॉर्ड वेलिंगटन ने भाग लिया)
बत्तीसवां 1916	लखनऊ	अंबिकाचरण मजूमदार (मुस्लिम लीग से समझौता)

तैतीसवां 1917	कलकत्ता	श्रीमती ऐनी बेसेंट (प्रथम महिला अध्यक्ष)
विशेष अधिवेशन 1918	बंबई	हसन इमाम (कांग्रेस का दूसरा विभाजन)
चौतीसवां 1918	दिल्ली	पं. मदनमोहन मालवीय
पैंतीसवां 1919	अमृतसर	पं. मोतीलाल नेहरू
छत्तीसवां 1920	नागपुर	सी. वि. राधवाचारियर (कांग्रेस संविधान मे परिवर्तन)
विशेष अधिवेशन 1920	कलकत्ता	लाला लाजपत राय
सैंतीसवां 1921	अहमदाबाद	हकीम अजमल खां
अड़तीसवां 1922	गया	देशबंधु चितरंजन दास
उनचालीसवां 1923	काकीनाडा	मौलाना मोहम्मद अली
विशेष अधिवेशन 1923	दिल्ली	अबुल कलाम आजाद (सबसे युवा अध्यक्ष)
चालीसवां 1924	बेलगाम	महात्मा गांधी
इकतालीसवां 1925	कानपुर	श्रीमती सरोजनी नायडू (प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष)
बयालीसवां 1926	गुवाहाटी	एस. श्रीनिवास आयगार (सदस्यों के लिए खादी वस्त्र अनिवार्य)
तेतालीसवां 1927	मद्रास	डॉ. एम. ए. अंसारी (पूर्ण स्वधीनता की माँग)
चौवालिसवां 1928	कलकत्ता	पं. मोतीलाल नेहरू
पैंतलिसवां 1929	लाहौर	पं. जवाहरलाल नेहरू (पूर्ण स्वराज की माँग)
छियालीसवां 1931	कराची	सरदार बल्लभ भाई पटेल (मौलिक अधिकार की माँग)
सैंतालीसवां 1932	दिल्ली	अमृत रणछोड़ दस सेठ
अड़तालीसवां 1933	कलकत्ता	श्रीमती नेल्ली सेनगुप्ता

उनचासवां 1934	बंबई	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
पचासवां 1936	लखनऊ	पं. जवाहरलाल नेहरू
इक्यावनवां 1937	फौजपुर	पं. जवाहरलाल नेहरू (गाँव में आयोजित प्रथम अधिवेशन)
बावनवां 1938	हरीपुर	सुभाष चंद्र बोस
तिरेपनवां 1939	त्रिपुरा	सुभाष चंद्र बोस
चौवनवां 1940	रामगढ़	अबुल कलाम आजाद
पचपनवां 1946	मेरठ	आचार्य जे. बी. कृपलानी (आजादी के समय अध्यक्ष)
छप्पनवां 1948	जयपुर	बी. पट्टाभि सीतारमय्या
सनतावनवां 1950	नासिक	पुरुषोत्तमदास टंडन

नोट: डॉ. राजेंद्र प्रसाद 1947 ई. में दिल्ली में हुई विशेष अधिवेशन के अध्यक्ष थे।

यह भी पढ़े: भारतीय राज्यों के वर्तमान राज्यपालों की सूची

नीचे दिए गए प्रश्न और उत्तर प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। यह भाग हमें सुझाव देता है कि सरकारी नौकरी की परीक्षाओं में किस प्रकार के प्रश्न पूछे जा सकते हैं। यह प्रश्नोत्तरी एसएससी (SSC), यूपीएससी (UPSC), रेलवे (Railway), बैंकिंग (Banking) तथा अन्य परीक्षाओं में भी लाभदायक है।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर (FAQs):

प्रश्न: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के हरीपुर अधिवेशन की अध्यक्षता किसने थी?

उत्तर: सुभाष चंद्र बोस *(Exam - SSC LDC Aug, 1995)*
प्रश्न: कांग्रेस के प्रसिद्ध लखनऊ अधिवेशन 1916 के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर: ए. सी. मजूमदार *(Exam - SSC LDC Aug, 1995)*
प्रश्न: संसद के संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता कौन करता है?

उत्तर: लोकसभा का स्पीकर *(Exam - SSC LDC Aug, 1995)*
प्रश्न: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पहला अधिवेशन कहाँ हुआ था?

उत्तर: मुम्बई (1885 ई०) में *(Exam - SSC STENO G-D Feb, 1996)*
प्रश्न: कांग्रेस का वह अधिवेशन कहाँ पर हुआ था,जिसमें उसके उद्देश्य के रूप में भारत के लिए पूर्ण "स्वराज" प्राप्त करने का प्रस्ताव स्वीकार किया गया था?

उत्तर: लाहौर में *(Exam - SSC SOC Nov, 1997)*
प्रश्न: संयुक्त राष्ट्र महासभा का पहला नियमित अधिवेशन कहाँ पर हुआ था?

उत्तर: लंदन में *(Exam - SSC SOC Nov, 1997)*
प्रश्न: संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन का सभापतित्व कौन करता है?

उत्तर: लोकसभा के अध्यक्ष *(Exam - SSC CML Oct, 1999)*
प्रश्न: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की थी?

उत्तर: डब्ल्यू0 सी0 बनर्जी *(Exam - SSC CML May, 2000)*
प्रश्न: वह प्रधानमंत्री कौन थे जिन्होंने अपने कार्यकाल के दोरान संसद के अधिवेशन (सत्र) में भाग नहीं लिया?

उत्तर: चौ0 चरण सिहं *(Exam - SSC CML Jul, 2006)*
प्रश्न: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 'असहयोग' (noon coperation) का अपना प्रसिद्ध प्रस्ताव 1920 ई0 में कहाँ आयोजित अपने अधिवेशन में पारित किया था?

उत्तर: बम्बई में *(Exam - SSC CAPF Dec, 2007)*

You just read: Bhartiya Raashtreey Kaangres Ke Adhiveshan Kab Aur Kahaan Hue